सुक्ष्म - कारण शरीर को चार्ज कैसे करें?

परम शांति। जो अभी क्वांटम हीलिंग के बारे में, मैं थोड़ा बताऊंगा कि आजकल जो क्वांटम हीलिंग... कर रहे हैं, सभी लोग। हीलिंग बहुत टाइप्स के हैं या अलग-अलग रोग मिटाने के लिए, अलग-अलग उपासनाऐं भी कराते हैं। हीलिंग कराने के लिए या फिर, तो रोग आने का मूल क्या है। साइंस वाले तो यह कह रहे हैं। ट्रिलियनस सेल्स हैं। ट्रिलियनस सेल्स से हमारा शरीर बना है। तो अब साइंस वालों ने प्रूफ कर दिया। मगर साइंस वालों को यह पता नहीं है कि रोग का मूल कारण क्या है। रोग का मूल कारण है, मन। मन के संकल्प, मन की सोच। इसलिए हमारे शास्त्रों में भी लगता है कि कहा हुआ है कि मन, वचन, कर्म से पाप लगता है। तो थीरी ऑफ कर्म में भी हमने कई बार बताया है। आगे हीलिंग का वीडियो भी है। तो मन जो सोचता है। मन के सोचने के कारण सब कुछ रिकॉर्ड, कारण शरीर में रिकॉर्ड होता है। स्थूल कारण शरीर माना स्थूल आकाश तत्त्व में रिकॉर्ड होता है और कारण शरीर - सुक्ष्म शरीर को इफेक्ट करता है और सुक्ष्म शरीर - स्थूल शरीर को इफेक्ट करता है। मगर जो हमारा, जो आज के डॉक्टर, जो साइंस है। वो भौतिक विज्ञान है। डॉक्टर भी जो शरीर को जो करते हैं। दवाई देते हैं या सर्जरी करते हैं। जो भी करते हैं। तो भौतिक शरीर की करते हैं। मतलब 5 तत्त्वों के शरीर की करते हैं। उसमें 2 तत्त्व की होती है, जल और मिट्टी के शरीर की ही दवाई की इफेक्ट होती है। सुक्ष्म शरीर में नहीं होता। डॉक्टर की दवाई सुक्ष्म शरीर को क्योर नहीं कर सकता और डॉक्टर की दवाई कारण शरीर को क्योर नहीं कर सकता। क्योंकि कारण शरीर क्योर तब होता है। जब मन, कारण शरीर में पावर आए। कारण शरीर में पावर कब आएगा। कोई स्थूल शरीर से तो आएगा नहीं। डॉक्टर की दवाई से तो सुक्ष्म शरीर - कारण शरीर चार्ज होगा नहीं और कारण शरीर में, मन के कारण जो संकल्प चले, सोच चले। जो रिकॉर्ड पड़ा है, कारण शरीर में, उसको। वो रिकॉर्ड का विनाश करने के लिए, वो पावर चाहिए और वो पावर भी आकाश तत्त्व से ज्यादा परम आकाश का चाहिए। तो जो परम तत्त्व आएंगे। परम आकाश आएगा। तो ही वो कारण शरीर में पड़ा हुआ रिकॉर्ड, खत्म हो जाएगा। तो जैसे किसी ने कैंसर का उपचार कर लिया। उसका ऑपरेशन करके थोड़े जो सेल्स खराब हुए थे। वो निकाल दिए। मगर वो तो दो तत्त्वों में जो कैंसर का इफेक्ट था। वो इफेक्ट खत्म हो जाएगी। मगर सुक्ष्म शरीर से कैंसर नहीं गया। कारण शरीर से कैंसर नहीं गया। वो तो आत्मा जब मर जाएगी। दूसरी बार जहां जन्म लेगी। तो वो वही दोबारा उसका कारण शरीर - सुक्ष्म शरीर इफेक्ट करेगी। तो कारण शरीर को इफेक्ट से बचाना है। कारण शरीर को क्योर करना है, हमें। कारण शरीर को क्योर करने के उपाय बताए हैं कि कारण शरीर को क्योर आत्मस्वरूप में स्थित होकर ही, ऑलमाइटी अथॉरिटी का जो पावर- हाउस है। पावर-हाउस से कनेक्शन होगा। तो ही यह तुम्हारा कारण शरीर चार्ज होगा और कारण शरीर चार्ज हो जाएगा। परम लाइट आएगी। तो परम लाइट में जो चारों ओर परम तत्त्व फैलेंगे। कारण शरीर में, तो कारण शरीर में जो रिकॉर्ड पड़ा है। कर्मों का जो हिसाब-किताब पड़ा है। मन के कारण

जितने भी संकल्प-विकल्प, अनेक जन्मों का कारण शरीर में रिकॉर्ड पड़ा है। अनेकों जन्मों का, जिसको कारण शरीर माना बिल्कुल तुम जैसे सबकॉसियस माइंड कहते हैं। अनकॉसियस माइंड कहते हैं। तो वो जो कारण शरीर को चार्ज करना है। तो परम तत्त्व, परम प्रकाश चाहिए और वो केवल आत्मस्वरूप में स्थित होकर, पावर-हाउस से कनेक्शन होगा माना परमात्मा से कनेक्शन होगा। तो ही आएगा और बेहद की आत्माओं को तो बेहद का पावर चाहिए। बेहद की कला का पावर चाहिए। 1-2 कला या 10-20 कला वाली कनेक्शन जोड़ोगे। तो कोई नहीं चाहिए। ऐसे वैसे कनेक्शन जोड़ोगे। तो गीता में भी कहा है। तुम जिसको याद करोगे। उसी में जो होगा। वो तुम्हें मिलेगा। तुम, अभी अंतिम समय है। सभी जो बेहद के बच्चे हैं। वो तो जानते हैं। वो तो आत्मस्वरूप में स्थित होकर, एक कला का 1% पावर भी अगर आत्मस्वरूप में इमर्ज करके, बेहद की कला के पावर-हाउस से कनेक्शन करोगे। तो तुम्हारे पास आत्मा में बेहद की कला का पावर आएगा और सारे कारण शरीर ठीक हो जाएंगे। कारण शरीर, परम महाकारण शरीर सब ठीक हो जाएंगे। पावर-हाउस से भर जाएंगे और धीरे-धीरे यह लंबे समय का प्रयोग है। कोई साधारण प्रयोग नहीं है। बहुत बड़ा लंबा प्रोसेस है। आत्मस्वरूप में स्थित होना ही बहुत बड़ी तपस्या है और यहां तो कर्म योगी है। हर कर्म करते-करते, हर पल याद रहे कि मेरा लक्ष्य क्या है। मुझे स्व-परिवर्तन से विश्व -परिवर्तन करना है। तो स्व-परिवर्तन से विश्व- परिवर्तन की काफी वीडियोस पुरानी हैं। आप देखिए सुनिए। तो कहने का मतलब यह है कि डॉक्टरों की दवाई कारण शरीर को चार्ज नहीं कर सकती। कारण शरीर को चार्ज करने के लिए केवल आत्मस्वरूप द्वारा परमात्मा से कनेक्शन चाहिए। तो ही योग बल द्वारा ही होगा और धीरे-धीरे यह लंबे समय का प्रोसेस है। यह कोई एक-दो दिन का नहीं है। लंबा समय, स्व-परिवर्तन करने के लिए प्रयोग करना पड़ेगा। हर पल याद रहना चाहिए कि मुझे स्व-परिवर्तन करना है। मेरा लक्ष्य क्या है। मुझे स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन करना है। यहां धारणाऐं, अव्यक्त स्वरूप में स्थित होना ही धारणा है और अव्यक्त स्वरूप माना परम लाइट की बॉडी में स्थित होना ही धारणा है। यह लक्ष्य याद रहना चाहिए। परम शांति।